No. of Printed Pages : 6 **BPY-001**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination 00638

December, 2013

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer* ***all five*** *questions.*

(ii) All questions carry ***equal*** *marks.*

(iii) Answer to question no. ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

---

1. Explain the nature and scope of Indian Philosophy. **20**

OR

Explain cosmology of Udalaka as described in the Chandogya Upanishad. **20**

2. Make a detailed exposition of knowledge in the Indian context. How do you distinguish between para Vidya and apara Vidya ? **20**

OR

Define Veda. Discuss in detail the classification of Vedas. **20**

3. Answer **any two** of the following in about 200 words each.

(a) What is the understanding of multiplicity in the Upanishad ? 10

(b) Discuss the nature of Brahman as described in Mundaka Upanishad. 10

(c) Explain Nishkamakarma and Sthithapranja as discussed in the Bhagavat Gita. 10

(d) Explain the nature and means of Nirvana according to Buddhism. 10

4. Answer **any four** of the following in about 150 words each.

(a) Briefly explain the fourth state of consciousness. 5

(b) Distinguish between Henotheism and Monotheism. 5

(c) What do you understand by Tapas ? 5

(d) Write a note on avidhya according to the Upanishads. 5

(e) Explain the triratnas of Jainism. 5

(f) State the Pramanas accepted by Buddhism. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each.

(a) Karma **4**

(b) Nirvikalpaka Perception **4**

(c) AUM **4**

(d) Aparigraha **4**

(e) Omnipotent **4**

(f) Akasha **4**

(g) Carvaka **4**

(h) Suktas **4**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन - I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी*** *पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के* ***अंक समान*** *हैं।*

(iii) प्रथम एवं द्वीतिय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. भारतीय दर्शन के स्वरूप एवं विषय-क्षेत्र का वर्णन कीजिए। **20**

अथवा

छन्दोग्या उपनिषद् में उद्दालक द्वारा प्रतिपादित ब्रहमाण्ड विज्ञान की व्याख्या कीजिए। **20**

2. भारतीय संदर्भ में ज्ञान की विस्तृत व्याख्या कीजिए। आप पराविद्या और अपरा विद्या के बीच में कैसे अन्तर करेंगे? **20**

अथवा

'वेद' को परिभाषित करते हुए वेदों में वर्गीकरण का विस्तृत विवरण दीजिए। **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) उपनिषद् में विविधता को कैसे समझा गया है? स्पष्ट करें। 10

(b) मुण्डक उपनिषद् में वर्णित ब्रहम् के स्वरूप का विवरण दीजिए। 10

(c) भागवद् गीता में प्रतिपादित 'निष्कामकर्म' और 'स्थितिप्रज्ञ' की व्याख्या कीजिए। 10

(d) बौद्ध दर्शन के अनुसार निर्वाण के स्वरूप और अर्थ का वर्णन कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(a) चेतना की चौथीं अवस्था का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5

(b) अद्वैतवाद और एकदेव वाद के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(c) तपस् से आप क्या समझते हैं? 5

(d) उपनिषद् के अनुसार अविद्या को स्पष्ट कीजिए। 5

(e) जैन दर्शन के त्रिरत्न को समझाएं। 5

(f) बौद्धों द्वारा स्वीकृत प्रमाणों को बताएँ। 5

5. किन्हीं **पाँच प्रश्नों** में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(a) कर्म 4

(b) निर्विकल्प प्रत्यक्ष 4

(c) औम (AUM) 4

(d) अपरिग्रह 4

(e) सर्वशक्तिमान 4

(f) आकाश 4

(g) चार्वाक 4

(h) सुक्त 4